Date: 1 **अगस्त** 2023

वर्ल्डकॉइन प्रोजेक्ट

पाठ्यक्रम: जीएस 3 / विज्ञान और प्रोद्योगिकी

संदर्भ-

- हाल ही में, **ओपनएआई** के सीईओ सैम अल्टमैन ने ट्विटर का उपयोग करके अपने बायोमेट्रिक परियोजना 'वर्ल्डकॉइन' को औपचारिक रूप से फिर से शुरू किया। **चैटजीपीटी** की लोकप्रियता ने उनकी इस परियोजना पर बुरा प्रभाव पड़ा था।

WORLDCOIN

प्रमुख बिन्दु-

- अल्टमैन ने इससे पहले **अक्टूबर 2021 में वर्ल्डकॉइन का बीटा वर्जन पेश किया था**। दिसंबर 2022 में, ऑल्टमैन ने **ओपनएआई के चैटबॉट चैटजीपीटी को लॉन्च किया**। इस परियोजना ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया और अल्टमैन तब से तेजी से बढ़ते कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्योग में ध्यान दे रहे हैं।

वर्ल्ड कॉइन के बारे में-

- **यह एक डिजिटल नेटवर्क बनाने** का एक पहल है जिसमें हर कोई डिजिटल अर्थव्यवस्था में शामिल हो सकता है और किसी भी तरह की हिस्सेदारी का दावा कर सकता है।
- वर्ल्डकॉइन स्वयंसेवकों को "ऑर्ब ऑपरेटर्स" कहा जाता है, जो "ऑर्ब" नामक एक उपकरण का उपयोग करते हैं, **जो किसी व्यक्ति के आईरिस पैटर्न को स्कैन करता है ताकि उनके बायोमेट्रिक डेटा एकत्र किए जा सकें और विश्व ऐप** के माध्यम से **एक पहचान पत्र प्राप्त किया जा सके**।
- ऐप से स्कैन किए गए लोग नियमित अंतराल पर वर्ल्डकॉइन (WLD) नामक क्रिप्टोकरेंसी एकत्र कर सकते हैं, **और जहां संभव हो वहां अपने विश्व आईडी के साथ लेनदेन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया का** नाम है "व्यक्तित्व का प्रमाण"।

वर्ल्ड कॉइन कैसे काम करता है?

- वर्ल्डकॉइन "ऑर्ब ऑपरेटर" नामक स्वयंसेवकों पर निर्भर करता है जो लोगों के आईरिस पैटर्न को स्कैन करने और उनके बायोमेट्रिक डेटा को एकत्र करने के लिए "ऑर्ब" नामक एक उपकरण का उपयोग करते हैं।
- प्रतिभागियों को अपने आइरिस स्कैन करने के बाद वर्ल्ड ऐप के माध्यम से एक विश्व आईडी प्राप्त होती है। यह अद्वितीय आईडी उन्हें वर्ल्डकॉइन क्रिप्टोक्यूरेंसी का दावा करने और लेनदेन करने की अनुमति देता है।
- स्कैनिंग आइरिस यह सुनिश्चित करता है कि लोग अधिक क्रिप्टो पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कई बार साइन अप नहीं कर सकते हैं।
- उपयोगकर्ता नियमित अंतराल पर डब्ल्यूएलडी एकत्र कर सकते हैं या मानक डिजिटल मुद्रा के समान लेनदेन के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम

- [वर्ल्डकॉइन के डेटा] संग्रह की वैधता संदिग्ध लगती है, जैसा कि बायोमेट्रिक डेटा संग्रहीत करने की शर्तें हैं।
- रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि वर्ल्डकॉइन ने कोविड-19 महामारी के दौरान उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वंचित लोगों के आईरिस को स्कैन किया, जिससे स्कैन के लिए सूचित सहमति और पुरस्कार दिया गया जो इसके नैतिकता पर प्रश्न खड़ा करते हैं।
- निजता का उल्लंघन
- डाटा की चोरी शामिल हैं।

भारत में वर्ल्ड कॉइन-

- भारत में वर्ल्डकॉइन ने 18 स्थानों पर सूचीबद्ध किया गया है – बड़े पैमाने पर दिल्ली, नोएडा और बैंगलोर में – जहां ऑर्ब ऑपरेटर लोगों की आंखों को स्कैन कर रहे हैं। कुछ स्थानों में इन शहरों में लोकप्रिय मॉल और मेट्रो स्टेशन भी शामिल हैं।
- 2009 में, भारत सरकार ने देश के नागरिकों को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करने के लिए आधार कार्ड लॉन्च किया। यह सरकार को कई सामाजिक कल्याण योजनाओं और कार्यक्रमों को निधि देने में मदद करने के लिए था जो समाज के गरीब और सबसे कमजोर वर्गों पर केंद्रित हैं और कल्याणकारी योजनाओं के तहत वितरण तंत्र को सुव्यवस्थित करते हैं, जिससे पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होती है। वर्ल्ड कॉइन का भी लक्ष्य काफी हद तक समान है लेकिन वैश्विक स्तर पर।

स्रोत: TH

प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रश्न-

प्रश्न- वर्ल्डकॉइन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

- वर्ल्डकॉइन एक डिजिटल नेटवर्क बनाने की एक पहल है।
- वर्ल्डकॉइन स्वयंसेवकों को "ऑर्ब ऑपरेटर्स" कहा जाता है।
- भारत में वर्ल्डकॉइन ने 18 स्थानों पर सूचीबद्ध किया गया है।

उपर्युक्त में से कितना/कितने कथन सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- सभी 3
- इनमें कोई नहीं

उत्तर- (3)

मुख्य परीक्षा के लिए प्रश्न-वर्ल्डकॉइन से क्या हैं? यह किस तरीके से कार्य करता है? चर्चा करे।

Rajiv Pandey

प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट हाथी

पाठ्यक्रम: जीएस 3 / पर्यावरण, संरक्षण

संदर्भ-

- केंद्र सरकार ने हाल ही में प्रोजेक्ट **टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट का विलय किया है।**

साल	बाघों की संख्या
2006	1,411
2010	1,706
2014	2,226
2018	2,967
2023	3,167

प्रमुख बिन्दु-

- प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट के लिए प्रशासनिक सेटअप पहले की तरह जारी रहेगा। केवल फंडिंग का विलय किया जाना है।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय **के तहत** एक नया प्रभाग, **'प्रोजेक्ट टाइगर एंड एलीफेंट डिवीजन' अधिसूचित किया गया है।**
- समामेलन दोनों जानवरों के संरक्षण को बढ़ावा देगा, क्योंकि **वे अक्सर देश में एक ही परिदृश्य साझा करते हैं।**
- निर्णय प्रभावी एकीकरण और संसाधनों के कुशल उपयोग की अनुमति देगा, धन के वितरण की प्रक्रिया को सुचारू करेगा, समय बचाएगा।

चिंता–

- जाहिर तौर पर धन को कम करने के प्रयास से प्रेरित इस निर्णय से दोनों जानवरों – विशेष रूप से बाघों के संरक्षण पर असर पड़ने की संभावना है।
- विलय बाघ अभयारण्यों के लिए वित्त पोषण पैटर्न को प्रभावित करेगा, क्योंकि प्रोजेक्ट एलीफेंट प्रोजेक्ट टाइगर पर एक परजीवी बन जाएगा और दोनों को नुकसान होगा।
- विलय के संबंध में विवरण की कमी है जो भ्रम पैदा कर रही है।

प्रोजेक्ट टाइगर–

- देश में बाघों की आबादी बढ़ाने के महत्वाकांक्षी उद्देश्य **से सरकार ने** 1973 में उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की थी।

- प्रोजेक्ट टाइगर के तहत कवर किए गए प्रारंभिक रिजर्व **जिम कॉर्बेट, मानस, रणथंभौर, सिमलीपाल, बांदीपुर, पलामू, सुंदरबन, मेलघटा और कान्हा राष्ट्रीय उद्यान थे।**
- अपने प्रारंभिक वर्षों से 9 बाघ रिजर्वों से, **वर्तमान में बढ़कर 54 हो गया है, यह** बाघ रेंज 18 राज्यों में फैला हुआ है।

टाइगर के बारे में–

- बाघ (*पेंथेरा टाइग्रिस*) एक धारीदार जानवर है। इसकी मोटी पीली लोमचर्म का कोट होता है जिस पर गहरी धारीदार पट्टियां होती हैं। लावण्यता, ताकत, फुर्तीलापन और अपार शक्ति के कारण बाघ को भारत के राष्ट्रीय जानवर के रूप में गौरवान्वित किया है।
- परंपरागत रूप से बाघों की आठ उप-प्रजातियों को मान्यता दी गई है, जिनमें से तीन विलुप्त हो चुकी हैं। रॉयल बंगाल बाघ यह उप-प्रजाति भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और दक्षिण तिब्बत के तराई वाले जंगलों में पाई जाती है।

भारत में टाइगर रिजर्व

हाथी परियोजना

- यह **1992 में इसका उद्देश्य था कि जंगली हाथियों की मुक्त आबादी वाले राज्यों में उनके प्राकृतिक घरों में स्थायी आबादी की गारंटी मिल सके। इसके तहत** हाथियों, उनके आवासों और गलियारों की सुरक्षा के लिए देश में प्रमुख राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था।
- यह एक **केंद्रीय प्रायोजित योजना** है और मानव-हाथी संघर्ष और पालतू हाथियों के कल्याण के मुद्दों को संबोधित करना चाहती है।

भारतीय हाथी के बारे में-

- भारतीय हाथी **(*एलिफस मैक्सिमस*)** मध्य और दक्षिणी पश्चिमी घाट, उत्तर-पूर्व भारत, पूर्वी भारत और उत्तरी भारत और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में होता है।
- यह **भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I और वनस्पतियों और जीवों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के परिशिष्ट I में शामिल है।**
- यह देश के 28 राज्यों में से 16 में होता है और इसकी वितरण सीमा में बढ़ती प्रवृत्ति दिखा रहा है।
- इसे भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु माना **जाता है।**

- यह पूरे भारत में 80,778 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं और वर्तमान में **33 हाथी रिजर्व शामिल** हैं।

<u>भारत में हाथी रिजर्व</u>

S. No.	Elephant Reserve	State	Date of Notification	Total Area (Sq. Km)
1	Rayala ER	Andhra Pradesh	09.12.2003	766
2	Kameng ER	Arunachal Pradesh	19.06.2002	1892
3	South Arunachal ER	Arunachal Pradesh	29.02.2008	1957.50
4	Sonitpur ER	Assam	06.03.2003	1420
5	Dihing-Patkai ER	Assam	17.04.2003	937
6	Kaziranga – Karbi Anglong ER	Assam	17.04.2003	3270
7	Dhansiri-Lungding ER	Assam	19.04.2003	2740
8	Chirang-Ripu ER	Assam	07.03.2003	2600
9	Badalkhol-Tamorpingla	Chhattisgarh	15.09.2011	1048.30
10	Lemru ER	Chhattisgarh	2022	450
11	Singhbhum ER	Jharkhand	26.09.2001	4530
12	Mysore ER	Karnataka	25.11.2002	6724
13	Dandeli ER	Karnataka	26.03.2015	2,321
14	Wayanad ER	Kerala	02.04.2002	1200
15	Nilambur ER	Kerala	02.04.2002	1419
16	Anamudi ER	Kerala	02.04.2002	3728
17	Periyar	Kerala	02.04.2002	3742
18	Garo Hills ER	Meghalaya	31.10.2001	3,500
19	Intanki ER	Nagaland	28.02.2005	202
20	Singphan ER	Nagaland	16.08.2018	23.57
21	Mayurbhanj ER	Odisha	29.09.2001	3214
22	Mahanadi ER	Odisha	20.07.2002	1038
23	Sambalpur ER	Odisha	27.03.2002	427
24	Nilgiri ER	Tamil Nadu	19.09.2003	4663
25	Coimbatore ER	Tamil Nadu	19.09.2003	566
26	Anamalai ER	Tamil Nadu	19.09.2003	1457
27	Srivilliputtur ER	Tamil Nadu	19.09.2003	1249
28	Agasthyamalai ER	Tamil Nadu	12.08.2022	1,197.48
29	Uttar Pradesh ER	Uttar Pradesh	09.09.2009	744
30	Terai ER	Uttar Pradesh	2022	3049
31	Shivalik ER	Uttarakhand	28.10.2002	5405
32	Mayurjharna ER	West Bengal	24.10.2002	414
33	Eastern Dooars ER	West Bengal	28.8.2002	978

स्रोत: DTE

प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रश्न-

प्रश्न- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

- 1983 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत किया गया था।
- हाथी परियोजना को 1992 में शुरुवात किया गया था ।
- हाथी पूरे भारत में 80,778 वर्ग किलोमीटर में फैले हैं और वर्तमान में **33 हाथी रिजर्व** हैं।

उपर्युक्त में से कितना/कितने कथन सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- सभी 3
- इनमें कोई नहीं

उत्तर- (2)

मुख्य परीक्षा के लिए प्रश्न-इस परियोजना के विलय से क्या प्रभाव होगा ? इससे आने वाले चुनौतियों को बताते हुए इसकी चर्चा करे।?

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com